

Biblical Mandate for Evangelism

Session - 2

“The fool has said in his heart that there is no God” (Ps.14:1)
मूर्ख ने अपने मन में कहा है, कोई परमेश्वर है ही नहीं।

- Apart from Scripture, the greatest proof is that every believer experience the presence and fellowship of God daily and constantly.
- पवित्रशास्त्र के अलावा, सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि प्रत्येक आस्तिक प्रतिदिन और निरंतर ईश्वर की उपस्थिति और संगति का अनुभव करता है।

Ex: When Billy Graham was confronted in Communist Moscow about the proof of God's existence, he said: “today morning I have talked to God.”

उदाहरण: जब बिली ग्राहम से कम्युनिस्ट मॉस्को में ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा: "आज सुबह मैंने ईश्वर से बात की है।"

Christian view of Salvation: (Divine effort)

Salvation (*sōtēria* in Greek) is being saved or protected from harm or being saved or delivered from a dire situation.

- In Christianity, Salvation is saving of the soul from sin and its consequences.
- उद्धार आत्मा को पाप और उसके परिणामों से बचा रहा है।
- In other words, **Salvation** is the redemption from sin in general and original sin in particular is made possible by the life, death, and resurrection of Jesus, which in the context of **salvation** is referred to as the Redemption from sins.
- दूसरे शब्दों में, मुक्ति सामान्य रूप से पाप से मुक्ति है और विशेष रूप से यीशु के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान द्वारा संभव है,।

Salvation is a miracle change. Has the miracle has taken place in your life? Yes or No? मोक्ष एक चमत्कारिक परिवर्तन है। क्या आपके जीवन में चमत्कार हुआ है? हाँ या ना?

- A person is either saved or lost. Either you are in Christ or outside. एक व्यक्ति या तो बच गया है या खो गया है। या तो तुम मसीह में हो या बाहर।
- Are you married? Yes or No? You can't say: My marriage is taking place since 10 years. There is no half-way. क्या तुम शादीशुदा हो? हाँ या ना? आप यह नहीं कह सकते: मेरी शादी 10 साल से हो रही है कोई आधा रास्ता नहीं है।

■ **Salvation** is also simply called as “**Born again.**” “फिर से जन्मे।”

People would often ask us: Are you saved, or are you born again which means: Have you received or experienced Salvation?

लोग अक्सर हमसे पूछते हैं: क्या आप बच गए हैं, या क्या आप फिर से पैदा हुए हैं जिसका अर्थ है: क्या आपने उद्धार प्राप्त किया है या अनुभव किया है?

■ Jesus replied, “Very truly I tell you, no one can see the kingdom of God unless they are born again” (Jn.3:3). यीशु ने जवाब दिया, “बहुत सही मायने में मैं तुमसे कहता हूँ, कोई भी परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता जब तक कि वे फिर से न जन्मे।”

- **Born again includes your repentance of sins.**

फिर से जन्म लेने मतलब आपके पापों का पश्चाताप होना है।

- **Godly repentance brings Salvation. A person is saved or not is known by his acts of repentance.**

ईश्वरीय पश्चाताप उद्धार लाता है। किसी व्यक्ति उद्धार उनकी कार्यों के द्वारा जाना जाता है।

- **Salvation is a free gift by God's grace. It is “*sola gratia.*”**

ईशु मसीह के अनुग्रह से उद्धार मुफ्त में दिया है।

उद्धार हमें कैसे मिलेगा?

Salvation is attainable only through faith in the Lord Jesus Christ.

- “For it is by grace you have been saved, through faith and this is not from yourselves, it is the gift of God, not by works, so that no one can boast” (Eph.2:8-9). क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।
- So Salvation is justifying a sinner by Christ’s death which was an atonement for the sins.
- इसलिए उद्धार मसीह के क्रूस के द्वार हमारे पापों का प्रायश्चित्त किया गया था।

- Salvation is attainable through faith alone in Christ, through His Grace alone and in Christ's righteousness alone. केवल मसीह में विश्वास के माध्यम से मुक्ति प्राप्त की जाती है, केवल उनके अनुग्रह के माध्यम से और अकेले मसीह की धार्मिकता से ।
- This is the Gospel, the core of Christian faith around which all other Christian doctrines are centered and based. यह वह सुसमाचार है, जो ईसाई धर्म का मूल है जिसके चारों ओर अन्य सभी ईसाई सिद्धांत केन्द्रित और आधारित हैं।

Assurance of Salvation is based on 3-aspects:

उद्धार के निश्चयता के तीन बिंदु।

1) **The Witness of the Holy Spirit:**

पवित्रा अत्मा के गवाही

2) **The Word of God:**

परमेश्वर के वचन

3) **Changed life:**

बदला हुआ जीवन

- Everyone around us would see a change in our life and lifestyle. When we are saved, we are truly born again.

हमारे आस-पास हर कोई अपने जीवन और जीवनशैली में बदलाव देखेगा। जब हम उद्धार पाते हैं, तो हम वास्तव में फिर से जन्म लेते हैं।

- Therefore, if anyone is in Christ, the new creation has come: The old has gone, the new is here!" (2 Cor.5:17).

यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।

“हम जानते हैं, कि हम मृत्यु से पार हो कर जीवन में पहुंचे हैं” (1 Jn.3:14).
यीशु ने कहा: “मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं।” (Jn10:10).



Eg. A comparison of caterpillar and Butterfly.

For a changed life, the following qualities can be seen:

- i. **New thoughts:** नए विचार:
- ii. **New dynamics:** नई गतिशीलता:



- iii. **New motivation:** नई प्रेरणा:
- iv. **New look and make up or New lifestyle:** नया रूप और मेकअप या नई जीवनशैली
- v. **New deeds (works):** नए काम:
- vi. **New direction:** नई दिशा:
- vii. **New living:** नया जीवन

Ex: Life of Paul, People of Nineveh, Nicodemus, Timothy, Martin Luther, St. Augustine, DL Moody

The Fruit of Salvation- उद्धार के फल

1. Election चुनाव (Rom.9:10-13)

God's choice of an individual or group for a specific purpose or destiny.

2. Propitiation पापों को ढापना (Rom.3:25). The removal of God's punishment for sin through the perfect sacrifice of Jesus Christ

3. **Redemption** छुटकारा: (Rom.3:24; 8:23)

Jesus Christ has paid the price so we can go free. The price of sin is death; Jesus paid the price.

यीशु मसीह ने कीमत चुकाई है ताकि हम मुक्त हो सकें। पाप की कीमत मृत्यु है; यीशु ने कीमत चुकाई।

4. **Justification**: धर्मी टहराया: (Rom.4:25; 5:18)

God's act of declaring us "not guilty" for our sins, making us "right" with him.

हमारे पापों के लिए हमें "दोषी नहीं" घोषित करने का परमेश्वर का कार्य, हमें उसके साथ "सही" बनाना।



5. **Sanctification:** (पवित्रीकरण): Rom.12:1; 5:2; 15:16

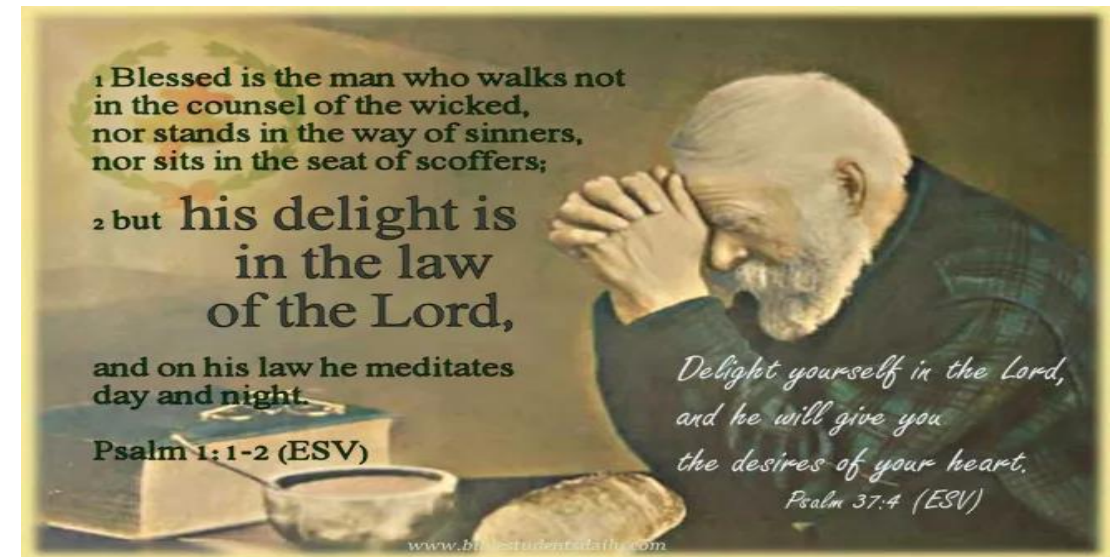
Becoming more and more like Jesus Christ through the work of the Holy Spirit. Set apart for good works.

पवित्र आत्मा के कार्य के द्वारा यीशु मसीह के समान बनना, उनके कार्य के अलग रहना।

6. **Glorification:** (महिमायुक्त होना):(Rom.8:18, 19, 30)

The ultimate state of the believer after death when he or she becomes like Christ (1 Jn.3:2).

मृत्यु के बाद विश्वासी की अंतिम अवस्था जब वह मसीह के समान हो जाता है।



A simple formula to experience Salvation

Remember ABRAM (our Grand old father)

A - Accept that you are a sinner.

स्वीकार करें कि आप पापी हैं।

B – Believe that Christ Jesus came to save you.

विश्वास करें कि ईशु मसीह आपको बचाने के लिए
आये थे।

R – Repent for your sins and ask for forgiveness.

अपने पापों के लिए पश्चात्ताप करें और क्षमा मांगें।

A - Accept that Christ Jesus as your personal Saviour.

उस मसीह यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप
में स्वीकार करें।

M – Mould your life according the Word of God

अपने जीवन को परमेश्वर के वचन के अनुसार चले।

What is your choice?

- Jesus is calling you. यीशु तुम्हें बुला रहा हैं।
- Are you willing? तुम इच्छुक हो?
- **Please do not delay. कृपया देर न करें.**
- If you don't have the Salvation you are eternally doomed.
यदि आपके पास उद्धार नहीं है तो आप हमेशा के लिए बर्बाद हो जायेंगे।
- The consequences of not having salvation are too frightening.
उद्धार न पाने का परिणाम बहुत भयानक होते हैं।
- Come today and right now.
आज और अभी आओ.



हम वचन क्यों सुनाते हैं 9 (कुछ कारण)

1. परमेश्वर चाहता है कि सब मनुष्य बचाये जाय । (1 तिमो 2 4)
और वो नहीं चाहता कि कोई भी नाशवान हो (यहुन्ना 3:162
पतरस 3:9)
2. पवित्र शास्त्र एक आदेश है । (मत्ती 28:18-20)
3. परमेश्वर ने आदेश दिया कि सब पश्चाताप करे, क्योंकि सबने पाप किया है (प्रेरित 17:30 रोमि 3:23)
4. हमारे उद्धार के लिये एक ही परमेश्वर और एक ही मध्यस्थ है । (तिमो 2:5)
5. केवल एक ही मार्ग है । (यहुन्ना 14: 6)

6. जब तक मनुष्य फिर से जन्म नहीं लेता, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। (यहुन्ना 3:3)
7. पाप की मजदूरी मृत्यु है। (रोमि 6:23)
8. नरक वास्वतिक है जो कि न्याय के द्वारा अनंत दूरी है। (मर 9:47, कुरि 6:9-10 प्रकाशित 20:15, 21, 8)
9. जब तक कोई सुसमाचार नहीं सुनेगा, कोई विश्वास नहीं करेगा । (रोमि 10:9)
10. हाय मुझ पर यदि मैं प्रचार न करूँ । (कुरि9:16-11)
11. यीशु मसीह ने कहा सब बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। (मत्ती 11:28)

12. Gospel is Go (d) Spel (t)

GO SPELL

प्रवित्रशास्त्र को कहाँ प्रचार करें

प्ररित 1: 8	येरूशलेम	=	गृहनगर
	यहुदा	=	पड़ोसी नगर
	सामरिया	=	एक ही देश की
	दूसरी संस्कृति		
	संसार का अंत	=	दूसरे राज्य, देश
	इत्यादि		

यहुन्ना 10: 16 विभिन्न भेड़ों का बाड़े का तात्पर्य

विभिन्न समुदाय, देश, भाषा इत्यादि

पवित्र शास्त्र किसे सुनाया जाय १

संपूर्ण जगत में मत्ती 24: 13, सभी देशों में मत्ती 28: 19, सभी जीव मरकुस 16: 15 लूका 24: 47

कौन प्रचार कर सकता है १

परमेश्वर उन सबको बुलाता है जिन्होंने उद्धार पाया है एवं परमेश्वर के लहू से धोये गये है । तुम मेरे गवाह ठहरोगे (प्रेरित 1: 9)। 1 पत 2:12.

कब पवित्र शास्त्र का प्रचार करें १

सभी समयों में सब मौसम में (2 तिमों 4: 2)
हर एक अवसर या मौके का छुटकारे के लिये फायदा उठाना, अभी समय है आज ही उद्धार का दिन है ।

पवित्रशास्त्र को कैसे प्रचार करें १

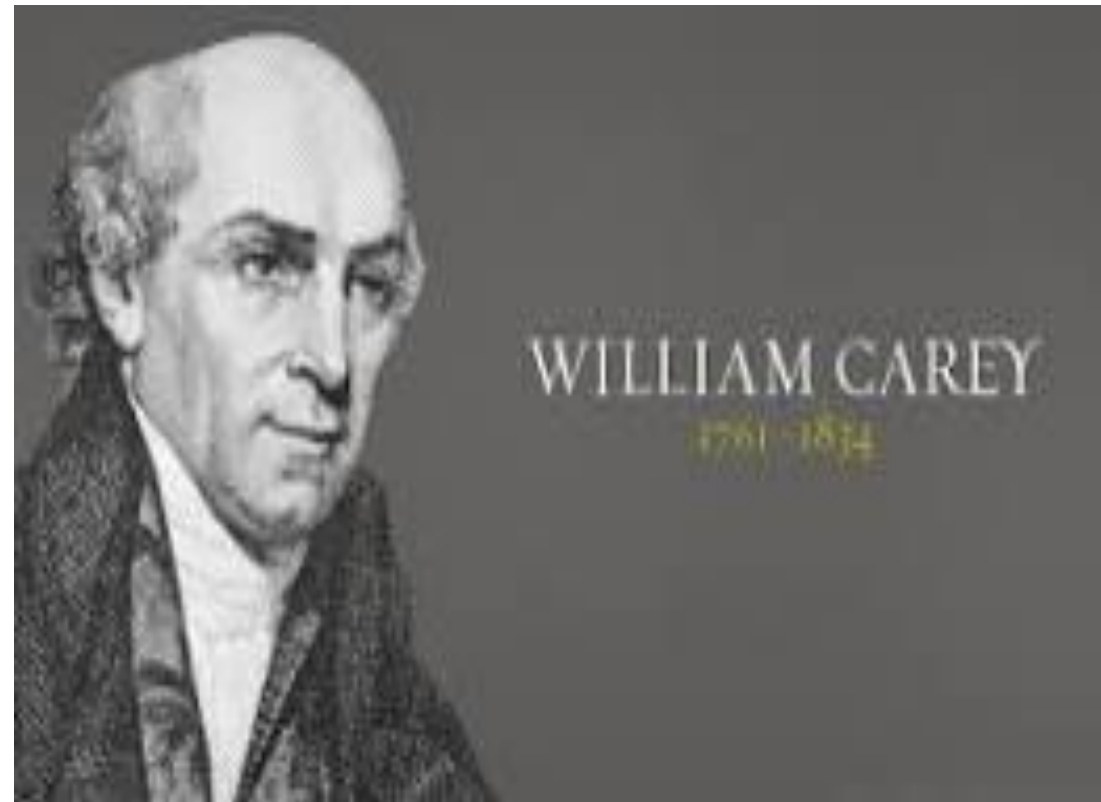
इसकी बहुत सी विधियां हैं हर विधि अपने स्थान व संदर्भ में प्रभावशाली है । हर एक विधि सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक हालात के अनुसार भिन्न है । परिस्थिति एवं रूचि के अनुसार नई विधियों का भी प्रयोग होना चाहिये । इसीलिए कोई भी विधि संपूर्ण या सर्वोच्च नहीं।

प्रभु यीशु मसीह ने पवित्र शास्त्र के प्रचार को फैलाने के लिये विभिन्न विधियों का प्रयोग किया है ।

जैसे मंदिर में पवित्र शास्त्र की व्याख्या व्यक्तिगत एवं सामूहिक सुसामाचार, बीमारों को चंगा करना दृष्टान्तों एवं उदाहरणों के द्वारा इन विधियोंका प्रस्तुत किया है ।

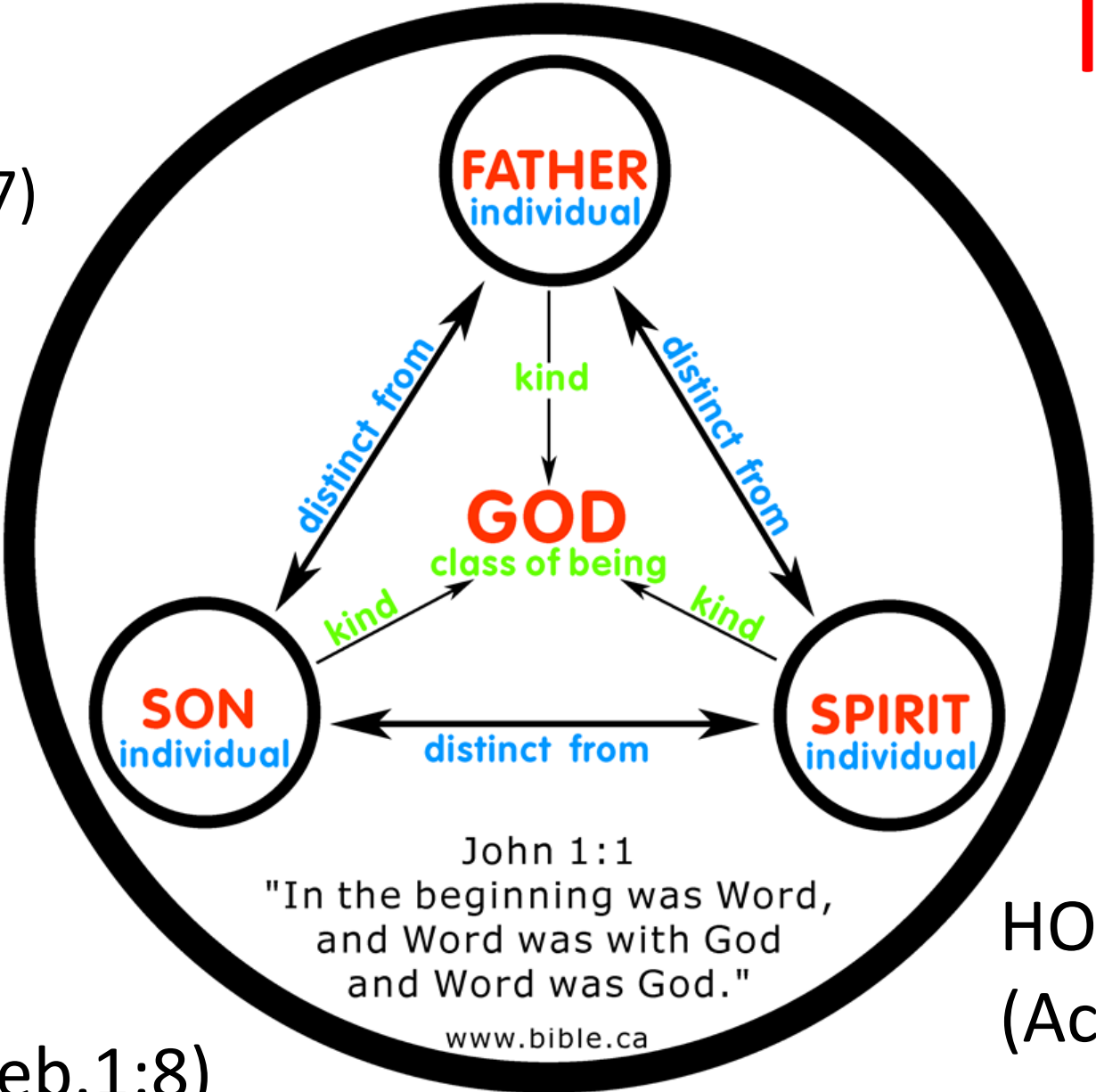
Father of Modern Missions

- 42 भाषाओं में बईबिल को अनुवाद.
- सति और बच्चों के शादीयों को रोका है।
- पहला Printing Press.
- Post office, Savings Bank
- Steam Engine.
- सेरंपूर में उनका University.
- Bhagvad Gita और Ramayana को अनुवाद किया



TRINITY

FATHER
(Rom.1:7)



SON (Heb.1:8)

HOLY SPIRIT
(Acts 5:3-4)

John 1:1
"In the beginning was Word,
and Word was with God
and Word was God."

www.bible.ca

The Trinity त्रित्व परमेश्वर

God is THREE persons

In OT: FATHER is God पिता परमेश्वर है

“Let us make man in our image, after our likeness” (Gen.1:26) हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं;

- The LORD said to my Lord: Sit at my right hand until I make your enemies a footstool for your feet (Psalm 110:1) – David refers to two persons as ‘God’!

मेरे प्रभु से यहोवा की वाणी यह है, कि तू मेरे दाहिने हाथ बैठ, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे चरणों की चौकी न कर दूँ। दाऊद यहाँ दो व्यक्ति को संबोधित कर रहा है।

- God’s people “rebelled and grieved his Holy Spirit” (Isaiah 63:10) तौभी उन्होंने बलवा किया और उसके पवित्र आत्मा को खेदित किया

परमेश्वर पुत्र Son is God

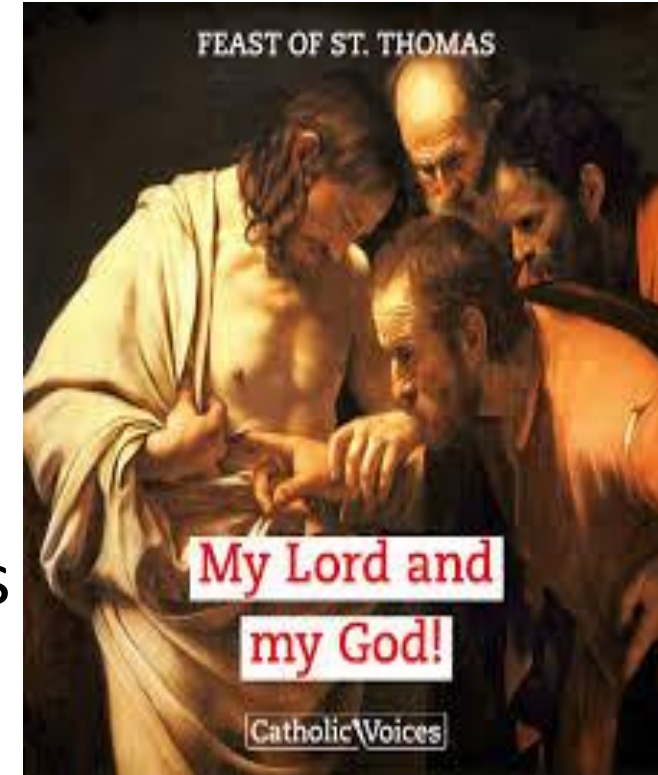
- आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। (Jn.1:1)
- यीशु बपतिस्मा ले कर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और देखो, उसके लिये आकाश खुल गया; और उसने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाईं उतरते और अपने ऊपर आते देखा। और देखो, यह आकाशवाणी हुई, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से मैं अत्यन्त प्रसन्न हूं। (Matt.3:16-17).
- इसलिये तुम जा कर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रआत्मा के नाम से बपतिस्मा दो (Matt.28:19)

- Thomas said to Him, “My Lord and my God!” Then Jesus told him, ‘Because you have seen me, you have believed; blessed are those who have not seen and yet have believed” (Jn.20:28-29).

थोमा ने उत्तर दिया, हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर! यीशु ने उस से कहा, तू ने तो मुझे देखकर विश्वास किया है, धन्य वे हैं जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया।।

- The Son is the radiance of God’s glory and the exact representation of his being, sustaining all things by his powerful word... (Heb.1:3)

वह उस की महिमा का प्रकाश, और उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ के वचन से संभालता है: वह पापों को धोकर ऊंचे स्थानों पर महामहिमन के दाहिने जा बैठा



The Holy Spirit is God पवित्र आत्मा परमेश्वर है।

- Then Peter said, 'Ananias, how is it that Satan has so filled your heart that you have lied to the Holy Spirit and have kept for yourself some of the money... You have not lied to men but to God.' (Acts 5:3-4)

परन्तु पतरस ने कहा; हे हनन्याह! शैतान ने तेरे मन में यह बात क्यों डाली है कि तू पवित्र आत्मा से झूठ बोले, और भूमि के दाम में से कुछ रख छोड़े?तू मनुष्यों से नहीं, परन्तु परमेश्वर से झूठ बोला।

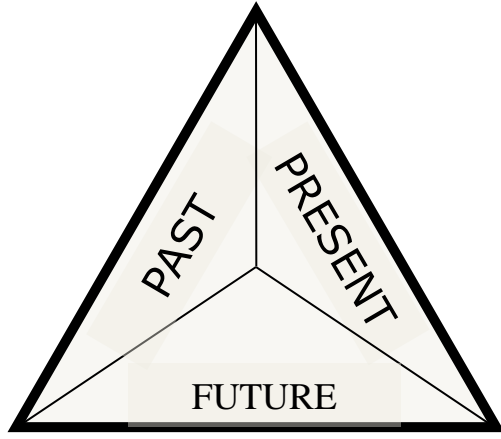
- The Spirit searches all things, even the deep things of God. For who among men knows the thoughts of a man except the man's spirit within him? In the same way no-one knows the thoughts of God except the Spirit of God. आत्मा सभी चीज़ों की खोज करता है, यहाँ तक कि परमेश्वर गहरी चीज़ों की भी। मनुष्यों में से कौन मनुष्य के मन की बातें जानता है, सिवाय मनुष्य की आत्मा के जो उसके भीतर है? उसी प्रकार परमेश्वर के विचारों को भी परमेश्वर की आत्मा के अतिरिक्त कोई नहीं जानता।

The Three Leaf Clover

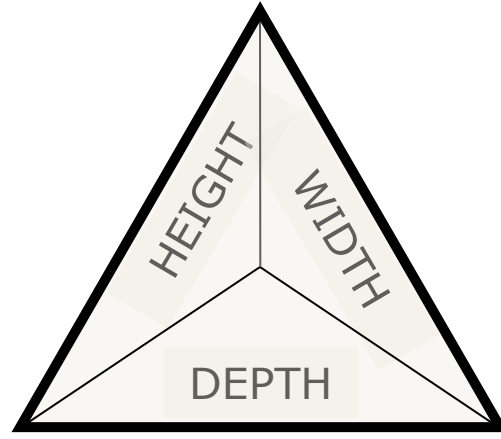
- There is no perfect illustration for the Trinity but it is reported that Saint Patrick used the three leaf clover as an object lesson in teaching about the Trinity's concept of one God in three persons, The Father the Son and the Holy Spirit.

त्रित्व के लिए कोई सटीक उदाहरण नहीं है, लेकिन यह बताया गया है कि सेंट पैट्रिक ने तीन व्यक्तियों, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में एक ईश्वर की ट्रिनिटी की अवधारणा के बारे में पढ़ाने में एक वस्तु पाठ के रूप में तीन पत्ती वाले त्रिपतिया घास का उपयोग किया था।

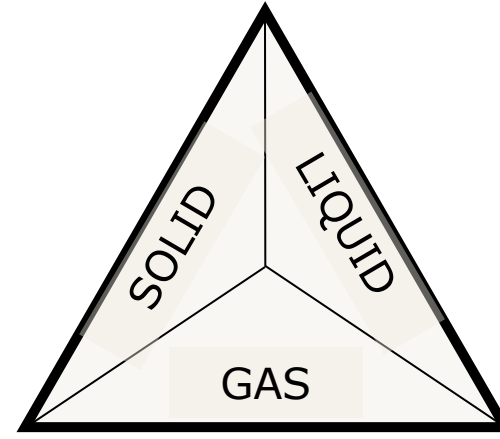




T I M E



S P A C E

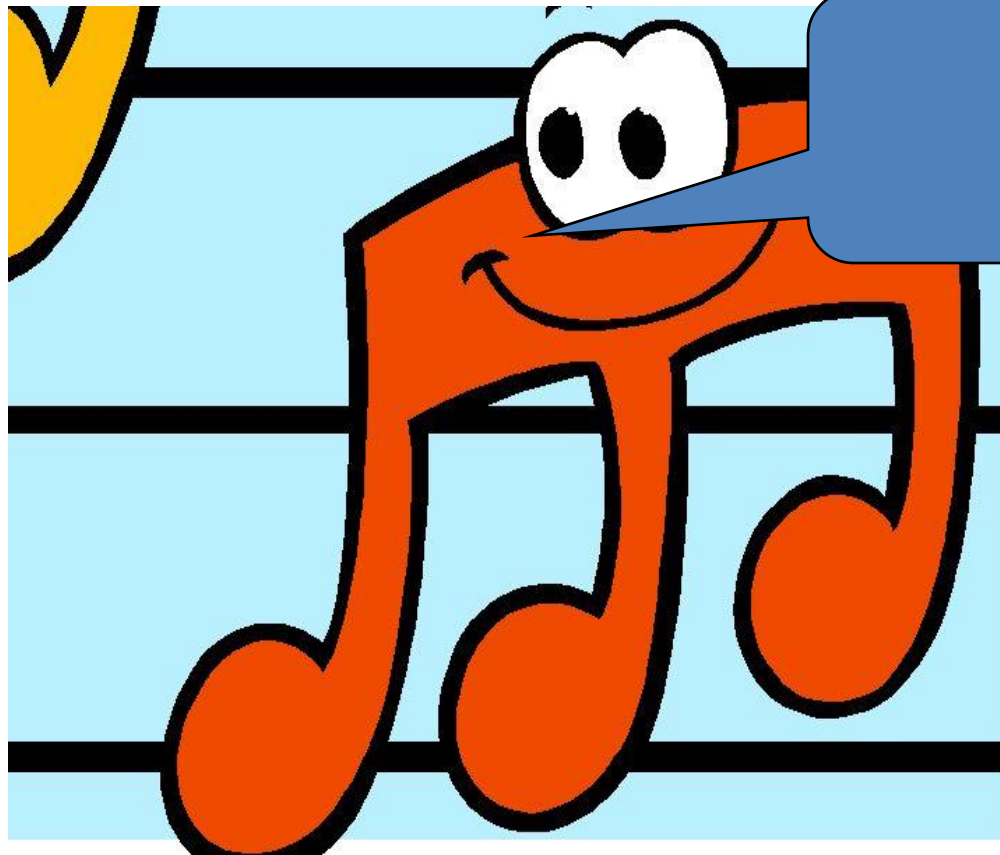


M A T T E R

Time समय	Past	Present	Future
Space जगह	Height	Width	Depth
Matter तत्व	Solid	Liquid	Gas

Musical Chord

3 Notes = 1 Chord



Wazzzzup!

May the Lord help us to be a good
Witness

**Thanks for your
Patient hearing**

For more details, please contact: K. Ravikumar,
Mob.8986873994, Email: katiravikumar@gmail.com
For PPT- www.katibibletitbits.com